Downloaded from www.studiestoday.com

विषय-5

यायावर साम्राज्य

स्मरणीय तथ्य-

1. यायावर साम्राज्य की अवधारणा विरोधात्मक प्रतीत होती है क्योंकि यायावर लोग मूलतः घुमक्कड़ होते हैं। मध्य एशिया के मंगोलों ने पार महाद्वीपीय साम्राज्य की स्थापना की और एक भयानक सैनिक तंत्र और शासन संचालन की प्रभावी पद्धतियों का सूत्रपात किया।

2. यायावर समाजों के ऐतिहासिक स्रोत हैं:- इतिवृत, यात्रा वृतांत, नगरीय साहित्यकारों के दस्तावेज। कुछ निर्णायक स्रोत हमें चीनी, मंगोली, फारसी और अरबी भाषा में भी उपलब्ध हैं।

3. मध्य-एशिया के स्टेपी प्रदेश में, तेरहवीं शताब्दी के प्रारंभिक दशकों में चंगेज खान ने मंगोलों को संगठित किया। मंगोल विविध जन-समुदाय का एक निकाय थे जिनमें तातार, खितान, मंचू लोग, तुर्की कबीले शामिल थे। ये लोग पशुपालक, शिकारी संग्राहक थे और कृषि कार्य नहीं करते थे। नृजातीय और भाषायी संबंधों ने मंगोलों को परस्पर जोड़ रखा था।

4. स्टेपीक्षेत्र में संसाधनों की कमी के कारण मंगोलों तथा मध्य-एशिया के यायावरों को व्यापार एवं वस्तु-विनिमय के लिए पड़ोस में स्थित चीन में जाना पड़ता था। चीनी लोगों को यह शिकार किए गए पशु, घोड़े तथा फर देकर बदले में कृषि उत्पाद तथा लोहे के उपकरण लाते थे।

5. यायावर कबीले चीन पर बार-बार आक्रमण करते थे और नगरों को लूट लेते थे। उनके आक्रमणों से चीन की सुरक्षा के लिए चीनी शासकों ने 'महान दीवार' बनाई

6. चंगेज खान, जिसका प्रारंभिक नाम तेमुजिन था, 1206 तक उसने अपने शत्रुओं को निर्णायक रूप से पराजित कर दिया था और स्टेपी क्षेत्र का सबसे प्रभावशीली व्यक्ति बन गया। इसीलिए 1206 में कुरिलताई की एक सभा में उसे चंगेज खान 'समुद्री खान' या 'सार्वभौम शासक' की उपाधि के साथ मंगोलों का महानायक घोषित किया गया।

7. चंगेज खान की सैनिक उपलब्धियाँ विस्मित कर देने वाली थीं- कुशल घुड़सवारी ने उसकी सेना को गति प्रदान की, घोड़े पर सवार होकर तीरंजादी का कौशल अद्भुत था, घेराबंदी यंत्र और नेफ्था बमबारी और अभियानों के दौरान हल्के, चल-उपस्करों का उपयोग। चंगेज खान ने मंगोलों को एक सशक्त अनुशासित सैन्य शक्ति के रूप में पुनर्गठित किया जिससे उसके सैन्य अभियानों की सफलता तय हो गई।

8. स्टेपी क्षेत्र में कई मंगोल कबीले रहते थे। इनकी अपनी अलग-अलग पहचान थी। चंगेज खान ने इनकी अलग-अलग पहचान को समाप्त किया।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

9. अपने राज्य के दूर दराज के स्थानों में परस्पर सम्पर्क रखने के फुर्तीली हरकारा पद्धति अपनाई। अपेक्षित दूरी पर निर्मित चौकियों में स्वस्थ व बलवान घोड़े तथा घुड़सवार संदेशवाहक तैनात रहते थे, इसके लिए मंगोल अपने घोड़े या अन्य पशुओं का दसवाँ हिस्सा कुबकुर प्रदान करते थे।

10 चंगेज खान ने नव विजित प्रदेशों का शासन अपने चार पुत्रों को सौंप दिया। इस प्रकार चार उलुस का गठन हुआ।

11. तेरहवीं शताब्दी के मध्य तक मंगोलों का एक एकीकृत जनसमूह बन गया था जिन्होंने एक विशाल साम्राज्य का निर्माण किया। उन्होंने अत्यंत जटिल शहरी समाजों पर शासन किया जिनके अपने अपने इतिहास, संस्कृतियां और नियम थे। अपने साम्राज्य पर राजनीतिक प्रभुत्व होने के बावजूद संख्यात्मक रूप से मंगोल अल्पसंख्यक रहे। अपनी पहचान और विशिष्टता की रक्षा के लिए उन्होंने 'यास' विधि संहिता को अपनाया।

12. 'यास' को प्रारंभिक स्वरूप में यसाक लिखा जाता था। इसे चंगेज, खान ने 1206 में कुरिलताई में लागू किया था। इसका अर्थ था विधि, आज्ञप्ति व आदेश। इसमें प्रशासनिक विनियम हैं जैसे आखेट, सैन्य और डाक प्रणाली का संगठन।

13. स्टेपी के खानाबदोशों ने चंगेज खान के अधीन नगरों को लूटा और उन्हें ध्वस्त किया। उन्होंने, अनेक नगरवासियों की निमर्म हत्याएँ भी की थीं। इसलिए चीन, ईरान और पूर्वी यूरोप के नगरवासी इन गिरोहों को भय और घृणा की दृष्टि से देखते थे।

पर मंगोलों के लिए चंगेज खान एक महान शासक था- उसने मंगोलों को संगठित किया, कबीलाई लड़ाइयों और चीनियों द्वारा शोषण से मुक्ति दिलाई, पारमहाद्वीपीय साम्राज्य बनाया, व्यापार के रास्ते तथा बाजारों को पुनर्स्थापित किया। इनका शासन बहु-जातीय, बहु-भाषी, बहु-धार्मिक था।

अब मंगोलिया एक स्वतंत्र राष्ट्र है ओर चंगेज खान एक महान राष्ट्रनायक के रूप में तथा आराध्य व्यक्ति के रूप में मान्य है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय-5 यायावर साम्राज्य

अति लघु प्रश्न (2 अंक वाले)

1. यायावर साम्राजय से क्या अभिप्राय है?
2. चंगेज खान को 'समुद्री खान' की उपाधि क्यों दी गई?
3. विजित प्रदेशों के लोगों को यायावर शासकों से लगाव नहीं था। क्यों? कारण बताइए।
4. गजन खान द्वारा कृषकों का पक्ष लेने के क्या कारण थे?
5. स्टेपी निवासियों के इतिहास के विषय में हमें किन स्रोतों से जानकारी प्राप्त होती है?
6. मंगोलों के लिए व्यापार क्यों महत्वपूर्ण था?
7. चीनी शासकों ने 'महान दीवार' का निर्माण क्यों करवाया?

लघु प्रश्न (5 अंक वाले)

8. मंगोलों के इतिहास पर विश्वास न करने के क्या कारण हैं?
9. मंगोलों की सामाजिक स्थिति का उल्लेख कीजिए।
10. मंगोलों के सैनिक प्रबंधन का वर्णन कीजिए।
11. चंगेज खान और मंगोलों का विश्व इतिहास में क्या स्थान है? मूल्यांकन कीजिए।

दीर्घ प्रश्न (10 अंक वाले)

12. चंगेज खान की सैनिक उपलब्धियों का वर्णन कीजिए। उसकी सफलता के क्या कारण थे?
13. 'यास' क्या था? इसके अर्थ में परिवर्तन आने के क्या कारण थे? यास के महत्व की विवेचना कीजिए।

अपेक्षित उत्तर/संकेत एवं मूल बिन्दु

अति लघु प्रश्नोत्तर (2 अंक वाले)

1. ❑ यायावर लोग मूलत: घुमक्कड़ होते हैं।
   ❑ 'साम्राज्य' भौतिक स्थिति का द्योतक।
2. ❑ चंगेज खान ने जमूका और नेमन लोगों को निर्णायक रूप से पराजित किया।
   ❑ वह स्टेपी क्षेत्र की राजनीति में सबसे प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में उभरा।
3. ❑ लोगों को यायावर शासकों से लगाव न होने के कारण:
   ❑ युद्धों में नगरों को नष्ट करना।
   ❑ कृषि भूमि को हानि पहुंचाना।
   ❑ व्यापार का नष्ट होना।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

- ❑ व्यापक स्तर पर नरसंहार।

4. ❑ गजन खान के विचार से–
   - ❑ कृषकों से बैल, आनाज छीनने से, फसलें नष्ट कर देने से भविष्य में अनाज नहीं मिलेगा।
   - ❑ एक आज्ञाकारी कृषक वर्ग बेहतर है विद्रोही कृषक वर्ग से।
   - ❑ कृषकों को सताने की बजाय उनकी रक्षा पर जोर दिया।

5. ❑ इतिवृत्त।
   - ❑ यात्रा वृतान्त।
   - ❑ नगरीय साहित्यकारों के दस्तावेज।
   - ❑ कुछ निर्णायक स्रोत चीनी, मंगोली, फारसी और अरबी भाषा में उपलब्ध है।

6. ❑ स्टेपी प्रदेश में संसाधनों का अभाव।
   - ❑ चारण क्षेत्र में सीमित अवधि में कृषि करना असंभव।
   - ❑ चीन से वस्तु-विनिमय में पशु, घोड़े तथा फर के बदले कृषि उत्पाद तथा लोहे के उपकरण प्राप्त करते थे।

6. ❑ यायावर कबीलों के चीन पर बार-बार आक्रमण व लूटमार।

7. ❑ आक्रमणों से सुरक्षा के लिये महान दीवार का निर्माण

लघु प्रश्न (5 अंक वाले)

8. इसके निम्नलिखित कारण है:–
   - ❑ मंगोलों का स्वयं रचित इतिहास नहीं है।
   - ❑ जानकारी के स्रोत मुख्यत: इतिवृत, यात्रा वृतांत और नगरीय साहित्यकारों के दस्तावेज।
   - ❑ लेखकों की यायावरी जीवन की जानकारी पक्षपातपूर्ण।
   - ❑ अनेक लेखक मंगोल आश्रय पर निर्भर इसलिए वर्णन सहानुभूति पूर्ण रहा।
   - ❑ अन्य ने उन्हें लुटेरा और नरसंहार करने वाला कहा।

9. ❑ मंगोलों के विविध सामाजिक समुदाय थे।
   - ❑ वह पशुपालक और शिकारी संग्राहक थे।
   - ❑ वह घोड़ों, भेड़ों, ऊँटों को पालते थे।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

- ❑ पशुपालक मध्य एशिया की घास के मैदानों में रहते थे। यहां छोटे-छोटे शिकार उपलब्ध थे।
- ❑ शिकारी संग्राहक साईबेरियाई वनों में रहते थे तथा पशुपालकों की तुलना में गरीब होते थे।
- ❑ चारण क्षेत्र में साल की कुछ अवधि में कृषि करना संभव, परंतु मंगोलों ने कृषि को नहीं अपनाया।
- ❑ वह आत्मरक्षा और आक्रमण के लिए परिवारों तथा कुलों के परिसंघ बना लेते थे।
- ❑ वह पशुधन के लिए लूटमार करते थे।

10. ❑ प्रत्येक स्वस्थ, व्यस्क सदस्य हथियारबंद होता था।
- ❑ सेना में भिन्न-भिन्न जातियों के सदस्य संगठित थे।
- ❑ सेना में तुर्की मूल के और केराइट भी शामिल थे।
- ❑ सेना स्टेपी क्षेत्र की पुरानी दशमलव प्रणाली के अनुसार गठित की गई।
- ❑ जनजातीय समूहों को विभाजित करके नवीन सैनिक इकाइयों में विभक्त किया गया।
- ❑ सबसे बड़ी इकाई लगभग 10,000 सैनिकों की थी।

11. ❑ यद्यपि चंगेज खान को एक विजेता, नगरों को ध्वस्त करने वाला, हजारों लोगों की मृत्यु के लिए उत्तरदायी माना जाता है। यह सब उसकी छवि धूमिल करती है।

पर मंगोलों के लिए वह सबसे महान शासक था। उसकी सफलताएँ:-

- ❑ मंगोलों को संगठित करना।
- ❑ कबीलाई लड़ाइयां समाप्त करना।
- ❑ चीनियों द्वारा शोषण से मुक्ति दिलाना।
- ❑ एक पारमहाद्वीपीय साम्राज्य की स्थापना।
- ❑ व्यापार और बाजारों को पुन: स्थापित करना।
- ❑ मंगोल शासन बहुजातीय, बहुभाषी और बहु-धार्मिक था।

12. ❑ सैनिक उपलब्धियाँ विस्मित कर देने वाली।
- ❑ स्टेपी क्षेत्र की युद्ध शैली को सुधारा व आवश्यकतानुसार परिवर्तित किया।
- ❑ उसे प्रभावशाली रणनीति में बदला।
- ❑ चुस्त घुड़सवारी से उसकी सेना को गति मिली।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

- सैनिकों को घोड़े पर सवार होकर तीरंदाजी का कौशल सिखाया।
- घुड़सवारी तीरंदाजी के अनुभव ने सैनिक गति बहुत तेज कर दी।
- स्टेपी व आसपास के भूभागों की व मौसम की जानकारी।
- घोर शीत ऋतु में आक्रमण के लिये बर्फ से जमी नदियों का राजमार्गो की तरह प्रयोग।
- घेराबंदी यंत्र व नेफ्था बमबारी का प्रयोग।
- अभियानों के दौरान हल्के चल-उपस्करों का प्रयोग सफलता के कारण।
- सशक्त अनुशासित सैन्य शक्ति।
- चंगेज खान का सशक्त नेतृत्व।
- द्रुत गति की हरकारा पद्धति

13. - 'यास' प्रारंभिक स्वरूप में यासाक वह नियम संहिता-जिसे चंगेज खान में 1206 में किुरिलताई में लागू किया।
- अर्थ-विधि, आज्ञप्ति, आदेश
- आखेट, सैन्य व डाक प्रणाली के संगठन के विनियम

अर्थ में परिवर्तन के कारण :-

- 13 वीं शताब्दी के मध्य तक मंगोलो द्वारा एकीकृत विशाल साम्राज्य का गठन।
- उनके द्वारा जटिल शहरी समाजों पर शासन पर संख्यात्मक रूप में अल्प संख्यक।
- अपनी पहचान व विशिष्टता की रक्षा के लिये दास के पवित्र नियम के अधिकार का दावा।
- यास को अपने पूर्वज चंगेज खान की विधि संहिता कहकर प्रजा पर लागू करवाया।
- यास बे समान आस्था रखने वाले मंगोलो में संयुक्त किया।
- चंगेज व उसके वंशजो की मंगोलो से निकटता स्वीकृत
- यास से वंशजों की कबीलाई पहचाना बरकरार।
- पराजित लोगों पर नियम लागू करने का आत्मविश्वास।
- यास चंगेज खान की कल्पना शक्ति से प्रेरित था व विश्व व्यापी मंगोल राज्य की संरचना में सहायक था।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय-5

अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न

यायावर साम्राज्य

मंगोलों द्वारा किए गए विनाश का आकलन

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और अन्त में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

चंगेज खान के अभियानों के विषय में प्राप्त समस्त विवरण इस पर सहमत हैं कि जिन नगरों ने उनका प्रभुत्व स्वीकार नहीं किया उन पर अधिकार जमाने के बाद वहां रहने वाले बहुत से लोगों को उसने मौत के घाट उतार दिया। इनकी संख्या बहुत चौंका देने वाली है। 1220 ई. में निशापुर पर आधिपत्य करने में 17,47,000, जबकि 1222 ई. हिरात पर आधिपत्य करने में 16,00,000 और 1258 में बगदाद पर आधिपत्य करते समय 8,00,000 लोगों का वध किया गया। छोटे नगरों में सापेक्षिक रूप से कम नरसंहार हुआ। नासा में 70,000, बैहाक जिले में 70,000 और कुहिस्तान प्रांत के तून नगर में 12,000 लोगों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा।

मध्यकालीन इतिवृत्तकारों ने मृतकों की संख्या का अनुमान कैसे लगाया?

इतरखानों के फारसी इतिवृत्तकार जुवैनी ने बताया कि मार्च में 13,00,000 लोगों का वध किया गया। उसने इस संख्या का अनुमान इस प्रकार लगाया कि तेरह दिन तक 1,00,000 शव प्रतिदिन गिने जाते थे।

प्रश्न

1. उपर्युक्त वृतांत से क्या निष्कर्ष निकलता है? 2
2. भारत के इतिहास में ऐसे आक्रमणकारी का नाम बताइए। 1
3. मध्यकालीन इतिवृत्तकारों ने मृतकों की संख्या का अनुमान कैसे लगाया? 2
4. वर्तमान मंगोलिया में चंगेज खान का क्या स्थान है? 3

बुखारा पर कब्जा

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और अन्त में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

तेरहवीं शताब्दी के ईरान के मंगोल शासकों के एक फारसी इतिवृत्तकार जुवैनी ने 1220 ई. में बुखारा की विजय का वृत्तांत किया है। जुवैनी के कथनानुसार नगर विजय के बाद चंगेज खान उत्सव

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

मैदान में गया जहां पर नगर के धनी व्यापारी एकत्रित थे उन्हें संबोधित कर कहा, ''अरे लोगों! तुम्हें यह ज्ञात होना चाहिए कि तुम लोगों ने अनेक पाप किए हैं और तुममें से जो अधिक सम्पन्न लोग हैं उन्होंने सबसे अधिक पाप किए है। अगर तुम मुझसे पूछो कि इसका मेरे पास क्या प्रमाण है तो इसके लिए मैं कहूंगा कि मैं ईश्वर का दंड हूं। यदि तुमने पाप न किए होते तो ईश्वर ने मुझे दंड हेतु तुम्हारे पास न भेजा होता। अब कोई व्यक्ति, बुखारा पर अधिकार होने के बाद खुरासान भाग गया था। उससे नगर के भाग्य के बारे में पूछने पर उत्तर दिया, 'वे (नगर) आए, दीवारों को ध्वस्त कर दिया, जला दिया लोगों का वध किया, लूटा और चल दिए।

प्रश्न

1. चंगेज खान ने बुखारा पर कब विजय प्राप्त की? 1
2. जुवैनी कौन था? 2
3. चंगेज खान के बुखारा पर आक्रमण करने के क्या कारण थे? 2
4. इस गद्यांश के आधार पर मंगोलों की युद्ध पद्धति क्या थी? 3

यास

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और अन्त में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

1921 में बुखारा पर विजय प्राप्त करने के बाद चंगेज़ खान ने वहां के अमीर मुसलमान निवासियों को 'उत्सव मैदान' में एकत्रित कर उनकी भर्त्सना की। उसने उनको पापी कहा और चेतावनी दी कि इन पापों के प्रायश्चितस्वरूप उनको अपना छिपा हुआ धन उसे देना पड़ेगा। यह वर्णन करने योग्य एक नाटकीय घटना थी जिसकों लोगों ने लंबे समय तक याद रखा और उस पर चित्र बनाए। सोलहवीं शताब्दी के अंत में चंगेज खान के सबसे बड़े पुत्र जोची का एक दूर का वंशज अब्दुल्लाह खान बुखारा के उसी उत्सव मैदान में गया। चंगेज खान के विपरीत अब्दुल्लाह खान वहां छुट्टी की नमाज अदा करने गया। उसके इतिहासकार हफ़ीज़-ए-तानीश ने अपने स्वामी की इस मुस्लिम धर्म-परायणता का विवरण अपने इतिवृत्त में दिया और साथ में यह चौंका देने वाली टिप्पणी भी की: 'कि यह चंगेज खान के यास के अनुसार था'।

प्रश्न

1. चंगेज खान ने कब तथा किन मुसलमानों को उत्सव मैदान में एकत्रित कर उनकी भर्त्सना की? 3
2. चंगेज खान ने मुसलमानों को पापी क्यों कहा? 1
3. हफीज-ए-तानीश ने अब्दुल्लाह खान के बारे में क्या टिप्पणी की? 2
4. यास से क्या अभिप्राय है? इसका प्रचलन कब और किसने किया? 3

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय-5

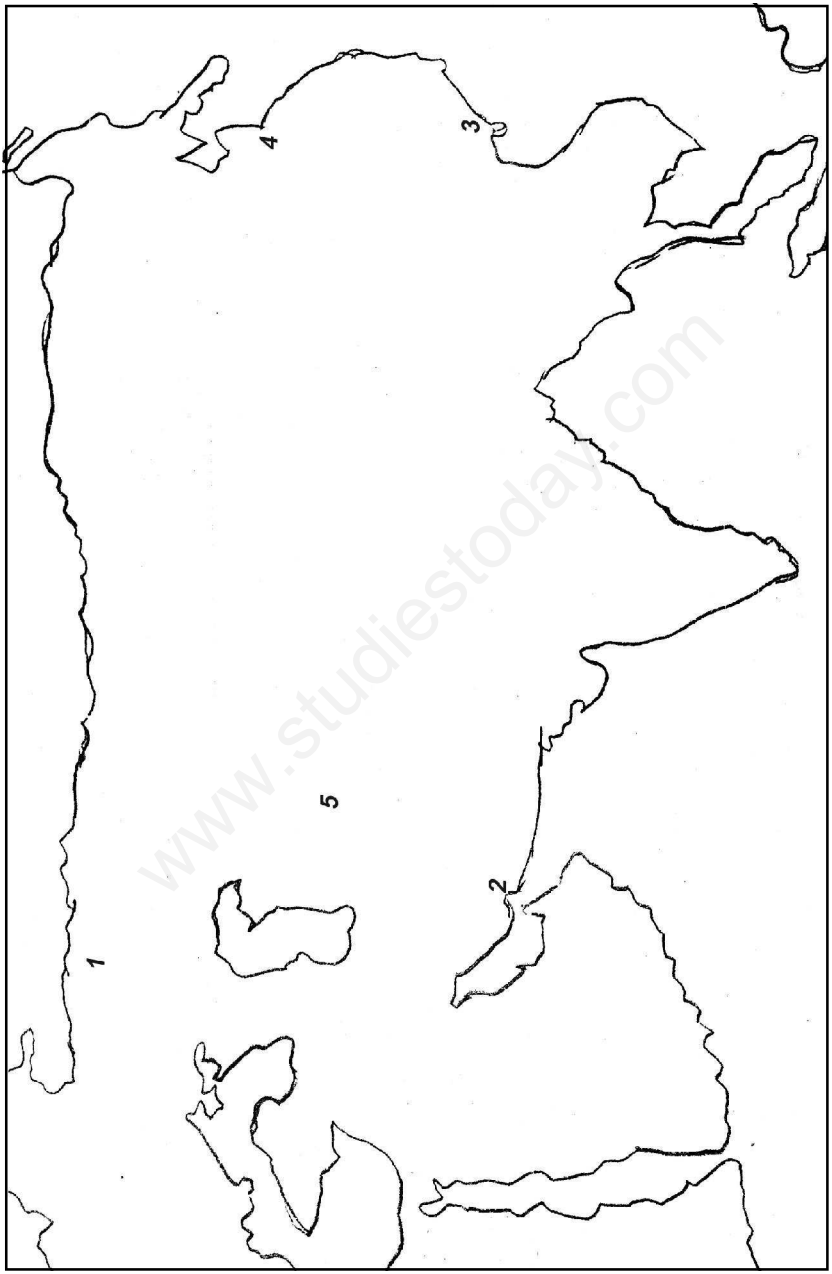

दिये गये मानचित्र में निम्नलिखित मंगोल साम्राज्य के पांच स्थान 1-5 तक दिखाऐ गए है। उन्हें पहचानकर उनके नाम लिखिए।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय-5

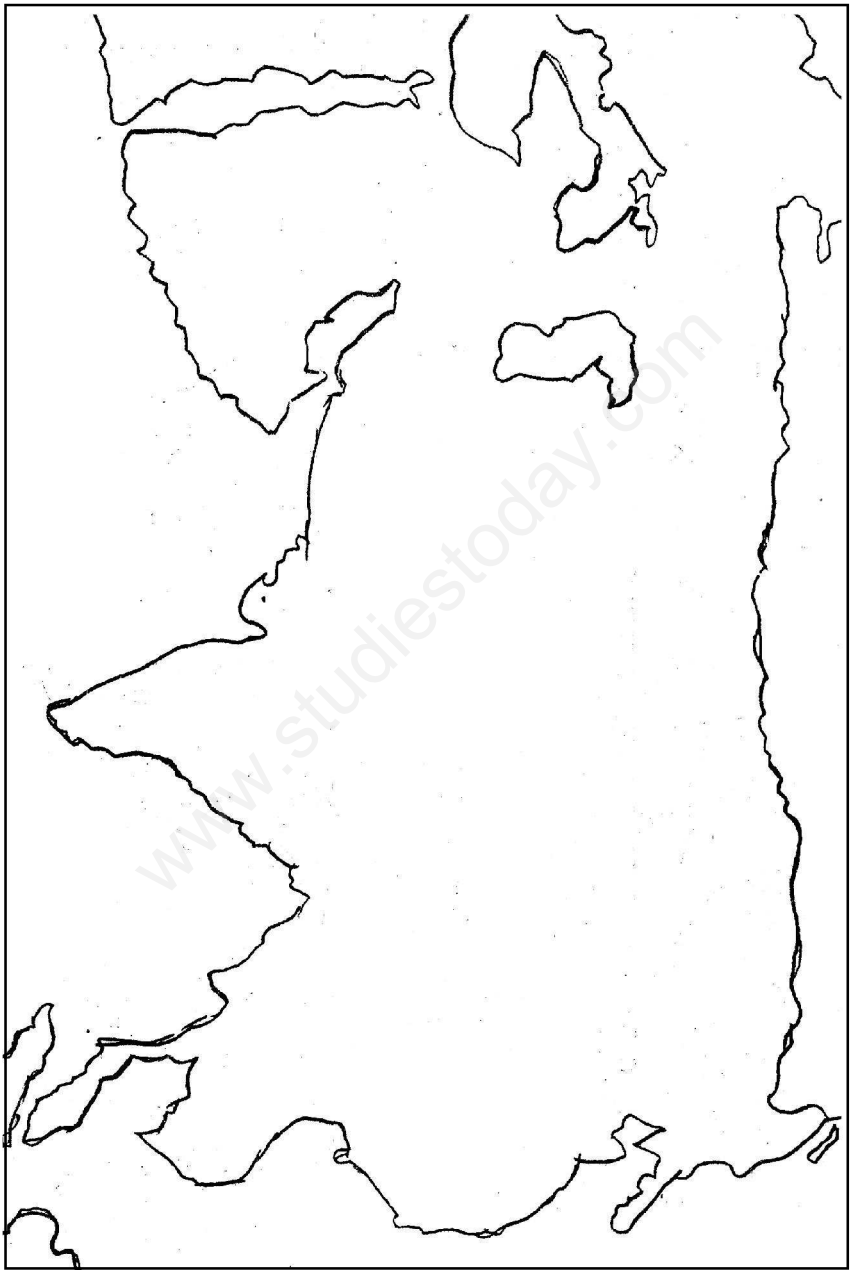

दिये गये मानचित्र में निम्नलिखित मंगोल साम्राज्य के निम्नलिखित स्थानों को अंकित कीजिए।

कराकोरम, बुर्फान, हिरात, मर्व, बुखारा

Downloaded from www.studiestoday.com